



# प्रभात

छिपाएंगे गही, छापेंगे



[www.subhartimedia.com](http://www.subhartimedia.com)

मेरठ, शुक्रवार, 08 मार्च 2019, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 12

उत्तर प्रदेश—उत्तराखण्ड से प्रकाशित

[facebook-Subharti Tv](#) [Twitter-Subharti Tv](#)

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आज, मेरठ में ऐसी कई महिलाओं पर गिरी गाज

प्रभात

शुक्रवार  
08 मार्च 2019

4

उत्तर प्रदेश

## नवाचार प्रौद्योगिकी प्रबंधन में एसएमएस की बड़ी भूमिका

### उपलब्धि

सीईजीआर के गौरवमयी  
इतिहास में एक नई उपलब्धि  
दर्ज हुई

लखनऊ। प्रभात

सेन्टर फार इजुकेशन ग्रोथ व रिसर्च संस्थान नई दिल्ली द्वारा स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक डा. भरत राज सिंह की 14वीं पुस्तक का विमोचन कुछ दिनों पूर्व अखिल भारतीय तकनीकी परिषद के सदस्य सचिव, प्रोफ एपी मित्तल, जो इस पुस्तक के मुख्य सम्पादक भी हैं, द्वारा किया गया। इससे सीईजीआर के गौरवमयी इतिहास में एक नई उपलब्धि दर्ज हुई। रवीश रोशन, निदेशक सीईजीआर द्वारा अवगत कराया गया कि इस पुस्तक का पाठ्यक्रम भारतवर्ष में प्राथमिक अनुसंधान के आधार पर तैयार किया गया है जिसमें पाठ्यक्रमानुसार सभी मूल.चैप्टर शामिल किए गये हैं। आशा है कि विद्यार्थियों, शोधार्थियों के लिए यह एक प्रकार की अनोखी पुस्तक साबित होगी, जिससे वे सभी लोग अत्यधिक लाभांवति हो सकेंगे।

इस पुस्तक का विमोचन नवाचार समिट के दौरान ए०पी० मित्तल, सदस्य.सचिव, अखिल भारतीय तकनीकी परिषद, डॉ० रमेश उत्तीकृष्णन,



एसएमएस के सीईओ को पुस्तक भेंट करते प्रो. भरत राज सिंह

निदेशक, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, डॉ. सोनाली सिन्हा, सीओओ, एवं ए०पी०डी०सी०ए कुँवर शेखर विजेन्द्र कुलाधिपति, शोभित विश्वविद्यालय, वी०एम० बन्सल, अध्यक्ष, नई दिल्ली प्रबन्धन संस्थान, तथा विभिन्न क्षेत्र के प्रख्यात शिक्षाविद की उपस्थिति में किया गया। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ के महानिदेशक डॉ० भरत राज सिंह का इस पुस्तक में सर्वाधिक चैप्टरों का योगदान रहा। इनके द्वारा 14.चैप्टर की इस पुस्तक में 3.चैप्टरों को

जोड़कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया। यह पुस्तक अब सभी अग्रणी बुक स्टाल पर मौजूद है। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के अध्यक्ष ए०पी० सिंह तथा सचिव व कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह ने एसएमएस संस्थान की इस उपलब्धि हेतु प्रख्यात शिक्षाविद डा. भरत राज सिंह को साधुवाद ज्ञापित किया और शिक्षा जगत में उनके इस अद्वृतीय योगदान के लिये सराहना भी की।